देश की अमूल्य संस्कृति की पहचान बना कुरुक्षेत्र का रत्नावली: सोलंकी 10.10.2017

राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने किया स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय स्तरीय रत्नावली महोत्सव का शुभारंभ, राज्यपाल ने कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के कुलगीत व रत्नावली का शीर्षक गीत सीडी का किया विमोचन, रत्नावली के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा सबका मन

कुरुक्षेत्र, 10 अक्टूबर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का रत्नावली महोत्सव देश की अमूल्य संस्कृति की पहचान बन गया है। इस सांस्कृतिक महाकुंभ से ही युवा पीढ़ी का सर्वांगीण विकास संभव है। जब युवा पीढ़ी का सर्वांगीण विकास होगा तो देश और प्रदेश विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगा।

राज्यपाल कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के आडिटोरियम हॉल में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित हरियाणा की शान स्वर्ण जयंती राष्ट्र स्तरीय रत्नावली महोत्सव में बतौर मुख्यातिथि के रूप में बोल रहे थे। इससे पहले राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी, लाडवा के विधायक डॉ. पवन सैनी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा, कुलसचिव डॉ. प्रवीण कुमार सैनी ने प्रदर्शनी और हरियाणवी खान-पान सहित अन्य स्टालों का अवलोकन किया और इस प्रदर्शनी में अपनी कलम से राज्पाल ने मन के उद्गार व्यक्त किए तथा कमेंट बोर्ड पर रत्नावली महोत्सव की जमकर प्रशंसा की है। इसके पश्चात राज्यपाल ने दीपशिखा प्रज्ज्वलित कर विधिवत रूप से 10 से 14 अक्टूबर तक चलने वाले रत्नावली महोत्सव का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संगीत एवं नृत्य विभाग द्वारा तैयार किए गए कुलगीत तथा युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा तैयार किए गए रत्नावली का शीर्षक गीत सीडी का विमोचन किया। राज्यपाल ने हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष पर राष्ट्र स्तरीय रत्नावली महोत्सव के शानदार आगाज करने पर कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा सहित उनकी टीम के सभी सदस्यों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए और कैनवस बोर्ड पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा हरियाणा सबसे न्यारा है। यह प्रदेश देश की धरोहर है और यह धरोहर सबसे प्यारी है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने मन की भावनाओं को कलम के माध्यम से व्यक्त करते हुए कहा कि रत्नावली कार्यक्रम देश की अमूल्य पहचान बन गई है। इसके लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय बधाई का पात्र है। राज्यपाल ने रसिया लोकनृत्य, हरियाणवी लोकनृत्य और यूनिवर्सिटी के कुलगीत की प्रस्तुतियों की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इन बेहतरीन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में रत्नावली का आगाज झकझोर देने वाला है। यह आगाज इतना रमणीय सांस्कृतिक और प्रेरणादायक है। यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति की ओर आगे बढ़ रहा है। इस विश्वविद्यालय में जहां पुस्तकीय ज्ञान दिया जा रहा है वहीं युवा पीढ़ी का सर्वांगीण विकास करने के रत्नावली जैसे सांस्कृतिक महाकुंभ का आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गीता स्थली कुरुक्षेत्र पर तैयार किए शीर्षक गीत व कुलगीत कुरुक्षेत्र की पहचान बनेंगे और हरियाणवी संस्कृति को एक मुकाम तक ले जाने का काम भी करेंगे।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा ने राष्ट्र स्तरीय रत्नावली महोत्सव में दूर दराज से आए मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि रत्नावली सांस्कृतिक महाकुंभ की देश में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और संस्कृति तथा संवर्धन के रूप में अलग पहचान बना ली है। हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष को समर्पित रत्नावली का आगाज वर्ष 1985 में 8 विधाओं के साथ हुआ था। आज इस रत्नावली महोत्सव में 32 विधाओं को शामिल किया गया है और इस वर्ष 3700 कलाकार प्रदेश और अन्य राज्यों से शिरकत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और हर क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के कारण कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को देश के 100 सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में 95 वें स्थान मिला है।

युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक डॉ. सीडीएस कौशल ने रत्नावली महोत्सव की 1985 से लेकर 2017 तक की तमाम गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस महोत्सव में हर वर्ष कुछ नया करने का प्रयास किया जाता है। यह महोत्सव युवाओं के दिल की आवाज बन चुका है। इस कार्यकरम के अंत में सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष रणपाल सिंह ने मेहमानों का आभार व्यक्त किया। इस महोत्सव के उद्घाटन सत्र में हरविन्द्र राणा और उसकी टीम ने कुलगीत पर शानदार प्रस्तुति दी और डीएवी कालेज की छात्राओं ने हरियाणवी लोकनृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। इस कार्यक्रम के मंच का संचालन डॉ. अशोक शर्मा ने किया। इस कार्यक्रम में कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा ने राज्यपाल को स्मृति चिन्ह व पुस्तक भेंट की है। इस मौके पर लाडवा के विधायक डॉ. पवन सैनी, एडीसी धर्मवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक अभिषेक गर्ग, कुलसचिव डॉ. प्रवीण कुमार सैनी, भाजपा के जिलाध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. पवन शर्मा, डॉ. डीएस राणा, प्रो. शुचिस्मिता शर्मा, डॉ. श्याम कुमार, डॉ. अनिल गुप्ता, प्रो. तेजेन्द्र शर्मा, प्रो. एसएस बूरा सहित डीन, डायरेक्टर, चैयरमेन, कर्मचारी एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग

द्वारा आयोजित
हरियाणा की शान

स्वर्ण जयन्ती राष्ट्र-स्तरीय समारोह
रत्नावली

हरियाणा की शान
स्वर्ण जयन्ती राष्ट्र-स्तरीय समारोह
रत्नावली

10 अक्तूबर से 14

हरियाणा की शान
स्वर्ण जयन्ती राष्ट्र-स्तरीय समारोह
रत्नावली
10 अक्तूबर से 14 अक्तूबर 2017

हरियाणा की शान
स्वर्ण जयन्ती राष्ट्र-स्तरीय समारोह
रत्नावली

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग
द्वारा आयोजित
हरियाणा की शान

स्वर्ण जयन्ती राष्ट्र-स्तरीय

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग
द्वारा आयोजित
हरियाणा की शान
राष्ट्र-स्तरीय समारोह
अक्तूबर 2017

रत्नावली

अक्तूबर से 14 अक्तूबर

10 अक्तूबर से
अक्तूबर 2017

अक्तूबर से 14
2017

10 अक्तूबर से 14 अक्तूबर 2017

द्वारा आयोजित
हरियाणा की शान

विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग
द्वारा आयोजित
हरियाणा की शान
जयन्ती राष्ट्र–स्तरीय
से 14 अक्तूबर 2017

10 अक्तूबर